

प्रेषक,

सचिव,
प्राविधिक शिक्षा परिषद,
उत्तर प्रदेश लखनऊ।

सेवा में,

प्रधानाचार्य / निदेशक,
परिषद से सम्बद्ध समस्त,
राजकीय / अनुदानित / निजी क्षेत्र की संस्थाएं।

पत्रांक:—प्राशिप / कैम्प / 2020 / 5238

लखनऊ:दिनांक— 31/10/2020

विषय:— औद्योगिक प्रशिक्षण (इण्डस्ट्रियल ट्रेनिंग) कराये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आप अवगत ही हैं कि संस्था में अध्ययनरत् छात्र/छात्राओं को चतुर्थ सेमेस्टर पश्चात् औद्योगिक प्रशिक्षण (इण्डस्ट्रियल ट्रेनिंग) की प्रक्रिया संस्था स्तर से करायी जाती है। वर्तमान सत्र में कोविड-19 के दृष्टिगत प्रशिक्षण की प्रक्रिया पूर्ण नहीं करायी जा सकी है, जिसके संबंध में प्रकरण निदेशक, प्राविधिक शिक्षा, उत्तर प्रदेश कानपुर की अध्यक्षता में दिनांक 20-10-2020 को आहूत परिषद की परीक्षा समिति की बैठक में समिति के सम्मुख विचारार्थ प्रस्तुत किया गया, जिसमें समिति द्वारा विचार-विमर्श उपरांत निम्नवत् निर्णय लिया गया:—

“ऐसे छात्र/छात्राएं जिन्हें चतुर्थ सेमेस्टर पश्चात् औद्योगिक प्रशिक्षण (इण्डस्ट्रियल ट्रेनिंग) करायी जाती है, वर्तमान सत्र में कोविड-19 के दृष्टिगत प्रशिक्षण की प्रक्रिया पूर्ण नहीं करायी गयी है, के संबंध में समिति द्वारा विचार-विमर्श किया गया एवं निर्णय लिया गया कि औद्योगिक प्रशिक्षण की व्यवस्था ऑनलाइन के माध्यम से की जाएगी।”

परीक्षा समिति द्वारा लिये गये उपरोक्त निर्णय के अनुक्रम में अवगत कराना है कि छात्र/छात्राओं को औद्योगिक प्रशिक्षण (इण्डस्ट्रियल ट्रेनिंग) की व्यवस्था ऑनलाइन के माध्यम से करायी जानी है। उक्त के संबंध में संस्था स्तर से अग्रेतर कार्यवाही करने का कष्ट करें।

भवदीया,

(रश्मि सोनकर)
संयुक्त सचिव,
कृते सचिव

पृ0सं0— प्राशिप / कैम्प / 2020 / 5239 - 5242

तददिनांक— 31/10/2020

प्रतिलिपि:—निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:—

1. निजी सचिव, अध्यक्ष, प्राविधिक शिक्षा परिषद, उ0प्र0 लखनऊ को अध्यक्ष महोदय के सूचनार्थ।
2. निजी सचिव, विशेष सचिव, प्राविधिक शिक्षा विभाग, उ0प्र0 शासन को विशेष सचिव महोदय के सूचनार्थ।
3. निदेशक, प्राविधिक शिक्षा, उ0प्र0 कानपुर।
4. संयुक्त निदेशक, प्राविधिक शिक्षा, पूर्वी क्षेत्र / बुन्देलखण्ड क्षेत्र / मध्य क्षेत्र / पश्चिमी क्षेत्र को इस अनुरोध के साथ कि अपने क्षेत्रान्तर्गत स्थित संस्था प्रधानाचार्य को अपने स्तर से उपरोक्तानुसार निर्देशित करना चाहें।

(रश्मि सोनकर)
संयुक्त सचिव,
कृते सचिव

INDUSTRIAL TRAINING

It is needless to emphasize further the importance of Industrial Training of students during their 3 years of studies at Polytechnics. It is industrial training, which provides an opportunity to students to experience the environment and culture of industrial production units and commercial activities undertaken in field organizations. It prepares student for their future role as diploma engineers in the world of work and enables them to integrate theory with practice. Polytechnics have been arranging industrial training of students of various durations to meet the above objectives.

This document includes guided and supervised industrial training of 4 weeks duration to be organised during the semester break starting after second year i.e. after 4th semester examinations. The concerned HODs along with other teachers will guide and help students in arranging appropriate training places relevant to their specific branch. It is suggested that a training schedule may be drawn for each student before starting of the training in consultation with the training providers. Students should also be briefed in advance about the organizational setup, product range, manufacturing process, important machines and materials used in the training organization.

Equally important with the guidance is supervision of students training in the industry/organization by the teachers. Students should be encouraged to write daily report in their diary to enable them to write final report and its presentation later on.

An external assessment of 50 marks has been provided in the study and evaluation scheme of 5th Semester. Evaluation of professional industrial training report through viva-voce/presentation aims at assessing students understanding of materials, industrial process, practices in industry/field organization and their ability to engage in activities related to problem solving in industrial setup as well as understanding of application of knowledge and skills learnt in real life situations.

Teachers and students are requested to see the footnote below the study and evaluation scheme of 4th semester for further details.

The teacher along with field supervisors will conduct performance assessment of students. The components of evaluation will include the following:

- | | |
|--------------------------------------|-----|
| a) Punctuality and regularity | 15% |
| b) Initiative in learning new things | 15% |
| c) Presentation and Viva | 15% |
| d) Industrial training report | 55% |